साध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

प्रतिभा एक प्रतिशत प्रेरणा और निन्यानबे प्रतिशत पसीना है।
-थॉमस ए. एडीसन

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 68 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 12 अप्रैल, 2023

बीजेपी नौटंकीबाज पार्टी... 7
कर्नाटक: अब दूध पर राजनीति... 3
पायलट ने कांग्रेस को डैमेज करने... 2

बिहारी दांव से नीतीश डुबोयेंगे भाजपा की नाव

विपक्ष की ताकत बढ़ाने में जुटे बिहार के सीएम

» दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष खरगे से मिले
» तेजस्वी व राहुल गांधी रहे मौजूद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 2024 लोकसभा चुनाव की सरगर्मी धीरे-धीरे सियासी गलियारों में समय-समय पर तेजी के साथ सुर्खियों में आ ही जाती है। इसबार बिहार के सीएम नीतीश कुमार की ओर से पहल हुई है। वह एक बार फिर से 2024 के पहले विपक्ष को एकजुट करने में जुट गए और इसी के दम पर भाजपा को पटखनी देने का बिहारी दांव भी चलने की तैयारी कर रहे है।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार दिल्ली दौरे पर हैं। मंगलवार को आरजेडी अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव से मुलाकात के बाद बुधवार को नीतीश कुमार कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मिले नीतीश कुमार के साथ बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव भी शामिल हुए। बैठक में राहुल गांधी भी शामिल हुए। मुलाकात दोपहर एक बजे हुई। इसके अलावा नीतीश विपक्ष के कई और बड़े नेताओं से मुलाकात की।

भाजपा से 100 सीटें छीनने की कोशिश

फरवरी में, नीतीश कुमार ने इस बात पर जोर दिया था कि यदि कांग्रेस सहित सभी विपक्षी दल 2024 का लोकसभा चुनाव एकजुट होकर लड़ते हैं, तो भाजपा 100 सीट से कम सीट पर सिमट जाएगी। नीतीश कुमार ने पिछले साल सितंबर में भी दिल्ली का दौरा किया था, जब उन्होंने शरद पवार, अरविंद केजरीवाल, डी राजा, सीताराम येचुरी और अखिलेश यादव जैसे नेताओं से मुलाकात की थी। जद (यू), राजद, कांग्रेस और वाम दल बिहार में सत्तारूढ़ गठबंधन का हिस्सा हैं।

लालू का हालचाल जाना

इससे पहले मंगलवार को नीतीश कुमार लालू यादव से मिले और उनका हाल जाना। दोनों नेताओं ने मौजूदा राजनीतिक हालात के अलावा 2024 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से मुकाबला करने के लिए विपक्षी एकता को मजबूत करने के प्रयासों पर भी चर्चा की। इस मुलाकात के बाद नीतीश कुमार ने कहा कि वह लालू प्रसाद के साथ फोन पर संपर्क में थे, और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी लेने तथा उनसे प्रत्यक्ष रूप से मिलना महत्वपूर्ण था, इसलिए वह उनसे मिले।

विपक्षी नेताओं से मिल चुके हैं खरगे

गौरतलब है कि खरगे ने बीजेपी से मुकाबले के लिए समान विचारधारा वाले दलों के बीच एकता के लिए कई विपक्षी नेताओं से बातचीत की है। खरगे ने हाल ही में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से संपर्क किया था। आने वाले दिनों में खरगे अन्य विपक्षी नेताओं से भी मुलाकात कर सकते हैं।

यूपीए के कन्वेनर बनाने पर चर्चा

2024 आम चुनाव से पहले हो रही इस मुलाकात के बाद कहा जा रहा है कि नीतीश कुमार उप्र में यूपीए के कन्वेनर बनाए जा सकते हैं। इन नेताओं की मुलाकात देश की राजनीति के लिए अहम मानी जा रही है। बताया जा रहा है कि आज विपक्षी एकता को लेकर कोई कदम उठाया जा सकता है। नीतीश कुमार पहले से भी विपक्षी एकता के समर्थक रहे हैं। वे पहले भी कांग्रेस को साथ ले चलने की बात कहते रहे हैं। कुछ विपक्षी पार्टियां उनके इस प्रस्ताव के खिलाफ हैं। आरजेडी और कांग्रेस के नेताओं का कहना है कि नीतीश यूपीए के कुनबे को बढ़ा सकते हैं। नीतीश कुमार विपक्षी दलों को कांग्रेस की अगुआई के लिए राजी कर सकते हैं। जहां तक पीएम पद की दावेदारी की बात है, नीतीश पहले ही कह चुके हैं कि वह प्रधानमंत्री के उम्मीदवार नहीं हैं और जो भी फैसला होगा वह 2024 लोकसभा चुनाव के बाद नेता चुना जाएगा।

गोलीबारी से दहला बठिंडा मिलिट्री स्टेशन

» चार जवानों की मौत
» आर्मी की वर्दी पहन कैंट में घुसे थे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब के बठिंडा मिलिट्री स्टेशन के अंदर बुधवार तड़के करीब 04:35 बजे फायरिंग की घटना हुई। इस घटना में चार लोगों की मौत हो गई। स्टेशन क्वि क रिएक्शन टीमों को सक्रिय कर दिया गया। पूरे इलाके को घेर लिया गया और सील कर दिया गया। सर्च ऑपरेशन जारी है। बठिंडा में आर्मी कैंट के सभी एंट्री गेट बंद कर दिए गए हैं। उधर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने भी रिपोर्ट तलब की है।

दरअसल, एशिया की सबसे बड़ी बठिंडा छावनी में बुधवार सुबह अचानक फायरिंग हो गई। जिसके बाद आसपास के क्षेत्र में दहशत का माहौल पैदा हो गया। आर्मी सूत्रों से पता चला है कि चार सिविलियन लोग आर्मी की वर्दी पहन कर एक यूनिट से हथियार चोरी करने के मकसद से कैंट में दाखिल हुए थे। जिसके बाद बुधवार तड़के बठिंडा मिलिट्री स्टेशन के अंदर संदिग्ध गतिविधियां देखी गईं। इस पर ने जवानों पर फायरिंग कर दी। गोलीबारी में चार लोग मौके पर ही ढेर कर दिए गए। इस घटना की सूचना जैसे ही आर्मी के बड़े अधिकारियों को मिली तो वो मौके पर पहुंचे और तलाशी अभियान शुरू कर दिया। आर्मी सूत्रों से पता चला है कि उक्त घटना के बाद मौके पर पहुंची पंजाब पुलिस को कैंट के बाहर ही रोक लिया गया और उनको कहा गया कि अभी आर्मी का तलाशी अभियान चल रहा है।

फायरिंग आतंकी घटना नहीं

मिलिट्री स्टेशन में फायरिंग पर बठिंडा एसएसपी का बयान आया है। उन्होंने कहा कि मिलिट्री स्टेशन में फायरिंग आतंकी घटना नहीं है। सूत्रों के अनुसार, बठिंडा मिलिट्री स्टेशन से मैगजीन के साथ एक इंसास राइफल दो दिन पहले गायब हुई थी। लापता हथियार की तलाश की जा रही है।

कैंट को पूरी तरह किया सील

इस घटना के बाद बठिंडा कैंट को पूरी तरह सील कर दिया गया और कैंट पुलिस के साथ पंजाब पुलिस ने कैंट को जाने वाले हर रास्ते पर नाकाबंदी कर दी। पूरे मामले की अभी तक आर्मी की तरफ से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। सूत्रों ने बताया कि दो दिन पहले कैंट के अंदर जंगलों से एक व्यक्ति का शव मिला था। जिसको कुत्तों ने नोच-नोच कर खाया हुआ था। मृतक सेना का जवान बताया जा रहा। बठिंडा के तलवंडी साबो में दो दिन बाद खालसा साजना दिवस पर लाखों की सिख संगत इकट्ठे होने वाली है। इसी के मद्देनजर पिछले कई दिनों से बठिंडा में पुलिस की गश्त बढ़ा दी गई थी। चप्पे-चप्पे पर पुलिस का पहरा था। ऐसे में फायरिंग की आवाज से पूरे क्षेत्र में दहशत फैल गई। बुधवार तड़के जहां फायरिंग हुई वह क्षेत्र तलवंडी साबो से मात्र 35 किलोमीटर दूर है।

पायलट ने कांग्रेस को डैमेज करने का किया काम : रंधावा

» पूर्व डिप्टी सीएम पहुंचे दिल्ली कांग्रेस हाईकमान खफा

4पीएम न्यूज नेटवर्क

जयपुर । राजस्थान के पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट पर कोई सख्त एक्शन लिया जाए या समझाइश के जरिए बातचीत का रास्ता तैयार किया जाए। इस पर कांग्रेस हाईकमान भी विचार बना रही है। चुनावी साल होने की वजह से पार्टी डैमेज से बचने के लिए पहले समझाइश ही करना चाहती है।

कांग्रेस के राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर सिंगन रंधावा की ओर से पार्टी विरोधी एक्टिविटी नहीं करने की पूर्व चेतावनी के बावजूद जयपुर में पायलट ने अनशन किया है। उससे पहले प्रेसवार्ता कर सीएम अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे में गठजोड़ और मिलीभगत के सवाल खड़ाकर राजस्थान में कांग्रेस को डैमेज करने का काम किया है। इतना ही नहीं कांग्रेस हाईकमान को दिए गए अपने सुझावों में भी वसुंधरा राजे सरकार के घोटालों की जांच करवाने का पॉइंट मीडिया के जरिए सार्वजनिक करते हुए पायलट की ओर से यह कहा गया कि हाईकमान को सुझाव देने के बाद भी कार्रवाई नहीं हुई। इसे सीधे-सीधे कांग्रेस हाईकमान- सोनिया-राहुल गांधी-प्रियंका गांधी और मल्लिकार्जुन कठघरे में आ गए हैं। वसुंधरा सरकार के वक्त के कथित भ्रष्टाचार और घोटालों की जांच नहीं होने, सीएम को दो बार लेटर लिखने, कांग्रेस के आंतरिक मामले, वार्ता और पत्राचार को मीडिया के जरिए सार्वजनिक करने पर भी हाईकमान खफा है।

विस चुनाव से शक के दायरे में आए सचिन

प्रदेश में विधानसभा चुनाव सिर पर हैं। चुनाव से सात महीने पहले कांग्रेस के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष, पूर्व डिप्टी सीएम और मौजूदा विधायक सचिन पायलट ने अपनी ही सरकार के खिलाफ अनशन-धरना देकर उसे कठघरे में खड़ा कर दिया है। वसुंधरा राजे के कार्यकाल में हुए घोटालों की जांच के बहाने अपनी ही कांग्रेस सरकार के खिलाफ माहौल खड़ा किया है। इससे पहले समझाने की कोशिशों और चेतावनी को भी पायलट ने गंभीरता से नहीं लिया। अब पायलट को जब दिल्ली तलब किया गया है, तो वह कांग्रेस आलाकमान के सामने अपनी बात रखेंगे। दिल्ली में पायलट आज प्रियंका गांधी के जरिए सोनिया गांधी और राजस्थान कांग्रेस के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा से मुलाकात कर सकते हैं। इसके बाद ही कोई फैसला होगा।

सचिन पायलट का उपवास ढकोसला : नेता प्रतिपक्ष राठौड़

» कांग्रेस सरकार ने किसानों और युवाओं को ठगने का किया काम : जोशी

4पीएम न्यूज नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान के नेता प्रतिपक्ष बने राजेन्द्र राठौड़ ने कहा प्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री सरकार के साढ़े 4 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर अब उपवास का ढकोसला कर रहे हैं और प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री पर भ्रष्टाचार के आरोप लगा रहे हैं। लेकिन उन्हें पता नहीं है कि प्रदेश सरकार के द्वारा गठित माथुर आयोग ने इस प्रकार के किसी भ्रष्टाचार से इनकार किया है।

उन्होंने सचिन पायलट पर आरोप लगाते हुए कहा कि वे खुद 19 महीनों तक प्रदेश सरकार के अंग थे, लेकिन अब अपनी महत्वाकांक्षा की पूर्ति के लिए इस प्रकार के आरोप लगा रहे हैं। उन्होने प्रदेश सरकार पर आरोप लगाते हु कहा कि यह सरकार किसी तरह अपना कार्यकाल पुरा करना चाहती है, क्योंकि मुख्यमंत्री को पता है कि आने वाले चुनावों में जनता प्रदेश से कांग्रेस की विदाई कर देगी। उधर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा किस कांग्रेस सरकार ने प्रदेश के किसानों और युवाओं को ठगने का काम किया है। जोशी बोले- कांग्रेस के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष ने 1 से 10 तक गिनती करते हुए कहा था कि सरकार बनने के 10 दिन के भीतर किसानों के कर्जे माफ कर दिए जाएंगे, लेकिन सरकार के साढ़े 4 साल होने पर भी मुख्यमंत्री का ध्यान किसान पर नहीं गया है। जोशी ने कहा कांग्रेस ने घोषणा पत्र में यह वादा किया था कि प्रदेश के बेरोजगार युवाओं को बेरोजगारी भत्ता दिया जाएगा। लेकिन बेरोजगारी भत्ता देने की बजाय मुख्यमंत्री के नाक के तले पेपर लीक प्रकरण से प्रदेश के लाखों युवाओं का भविष्य अंधकार में हो गया है।

हमारी पार्टी ने देश को नई दिशा दी : अरविंद केजरीवाल

» बोले- राष्ट्रीय पार्टी बनना बहुत बड़ी जिम्मेदारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी को आधिकारिक रूप से राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिलने के बाद आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हमारी पार्टी ने देश को नई दिशा दी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं और देश की जनता का शुक्रिया अदा किया और कहा कि राष्ट्रीय पार्टी बनना बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। केजरीवाल ने अपने आलोचकों को भी तहेदिल से बधाई दी है।

जब हमने शुरू किया था तब पैसे नहीं थे लोग नहीं थे, अब भी पैसे नहीं थे लेकिन आदमी बहुत हैं। केजरीवाल ने कहा कि आज सोचता हूं तो लगता है कि हमारी कोई औकात नहीं लेकिन हम कहां से कहां पहुंचे, इसका मतलब भगवान हमसे देश के लिए कुछ कराना चाहता है। हम तो निमित्त मात्र हैं। केजरीवाल ने कहा कि आज इस मौके पर मनीष और जैन जी की बहुत याद आ रही है। वो होते तो इस मौके पर चार चांद लग जाते।

सिसोदिया व जैन का क्या कसूर है

मनीष सिसोदिया का क्या कसूर है? केजरीवाल ने इस दौरान एक सरकारी स्कूल का किस्सा सुनाया कि वो सरकारी है लेकिन वहां फ्रेंच, स्पेनिश, जापानी और जर्मन भाषा पढ़ाई जाती है। मेरी पढ़ाई भी बड़े स्कूल में हुई लेकिन वहां ऐसी सुविधा नहीं थी। तो मनीष सिसोदिया का कसूर है कि उसने गरीब के बच्चों को सपने देखने सिखाए कि सपने देखो। बड़े-बड़े सपने देखो। केजरीवाल ने आगे कहा कि जैन साहब का क्या कसूर था कि जो भी इस देश में पैदा हो उसे अच्छी और मुफ्त स्वास्थ्य सेवा मिले। मुफ्त दवा मिले। सरकार गरीब आदमी का इलाज कराएगी। लेकिन सारी राष्ट्रविरोधी ताकतें उनके खिलाफ हो गईं।

निकाय चुनाव में सपा चलेगी आरक्षण का दांव

» अनारक्षित सीट पर भी उतारेगी दावेदार, तैयार होगा सियासी गणित

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा चुनाव से पहले हो रहे निकाय चुनाव में समाजवादी पार्टी आरक्षण का दांव चलेगी। वह भाजपा पर आरक्षण की अनदेखी का आरोप लगाते हुए टिकट बंटवारे में सियासी समीकरण साधेगी। इसकी तैयारी शुरू हो गई है। पार्टी की रणनीति है कि जिन इलाके में पिछले, अति पिछड़े अथवा अनुसूचित जाति की संख्या अधिक है, वहां इस वर्ग से उम्मीदवार उतारे जाएं। ऐसे में कई अनारक्षित सीटों पर इस वर्ग के उम्मीदवार उतार कर आरक्षण का हितैषी होने का संदेश दिया जाएगा।

समाजवादी पार्टी ने निकाय चुनाव में आरक्षण की अनदेखी का आरोप लगाया है। पार्टी की टीम ने शासन से जारी सीटों पर आरक्षण का अध्ययन किया। इसमें बताया कि बरेली में जहां अनुसूचित जाति को छह फीसदी आरक्षण दिया गया है वहीं जौनपुर, मैनपुरी, रायबरेली में सिर्फ 11 फीसदी। आपत्ति के बाद भी आरक्षण की व्यवस्था में बदलाव नहीं किया गया है। ऐसे में पार्टी की रणनीति है कि इस मुद्दे को निरंतर गरमाया जाएगा। लोगों को बताया जाएगा कि भाजपा सरकार जानबूझकर संविधान में किए गए प्रावधानों को खत्म कर रही है। इसके लिए तमाम अनारक्षित सीटों पर पार्टी आरक्षित वर्ग के उम्मीदवार उतारने की तैयारी में है।इसके जरिए वह लोगों को समझाएगी कि सरकार ने भले आरक्षण की अनदेखी की है, लेकिन सपा इसका पालन करेगी। यही वजह है कि जिलेवार नगर पालिका, नगर पंचायतों में मतदाताओं की संख्या के बारे में जानकारी मांगी है।

जिले से साधा जाएगा सामाजिक समीकरण

सूत्रों का कहना है कि पार्टी की रणनीति है कि जिले को यूनिट बनाकर नगर पालिका व नगर पंचायत अध्यक्ष एवं सभासदों के बीच सामाजिक समीकरण साधा जाए। अनारक्षित सीट पर अध्यक्ष पद पिछड़ी जाति का उम्मीदवार उतारा जाता है तो सभासद पद पर अति पिछड़े अथवा अनुसूचित जाति की संख्या अधिक की जाएगी। इसमें यह देखा जाएगा कि अध्यक्ष पद के उम्मीदवार की अनुसूचित जाति व अति पिछड़े वर्ग की कौन-कौन सी जाति में पकड़ मजबूत है। इसी आधार पर समीकरण तैयार किया जाएगा, ताकि भविष्य में जनता के बीच रिपोर्ट रखी जा सके।

राष्ट्रीय दर्जा छिनने से टीएमसी पर असर नहीं : सौगत रॉय

» बोले ममता के सांसद-हमें जो करना है हम करते रहेंगे

4पीएम न्यूज नेटवर्क

कोलकाता। टीएमसी के सांसद सौगत रॉय ने कहा है कि चुनाव आयोग फैसले का पार्टी पर कोई असर नहीं पड़ेगा। सौगत रॉय ने चुनाव आयोग के आदेश पर मीडिया से बातचीत करते हुए कहा, तृणमूल कांग्रेस को बहुत सारी कठिनाइयों से पार होना पड़ है। इससे भी हम पार हो जाएंगे। चुनाव आयोग का यह फैसला है। हमें जो करना है हम करते रहेंगे। इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। हम अभी चुनाव आयोग के आदेश पर ज्यादा कुछ बोलना नहीं चाहते हैं। बाद में बोलेंगे।

ज्ञात हो कि चुनाव आयोग ने तृणमूल कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा वापस ले लिया। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय लोकदल, आंध्र प्रदेश में बीआरएस, मणिपुर में पीडीए, पुडुचेरी में पीएमके, पश्चिम बंगाल में आरएसपी और मिजोरम में एमपीसी का दर्जा भी छिन गया है। निर्वाचन आयोग ने कहा है कि हाल में नॉर्थ-ईस्ट के तीन राज्यों में संपन्न हुए विधानसभा चुनावों में प्रदर्शन के आधार पर एनसीपी नगालैंड और टीएमसी को मेघालय में राज्य स्तर के दलों के रूप में मान्यता दी जा रही है। इसके साथ ही आम आदमी पार्टी को राष्ट्रीय दल के रूप में मान्यता मिल गई है।

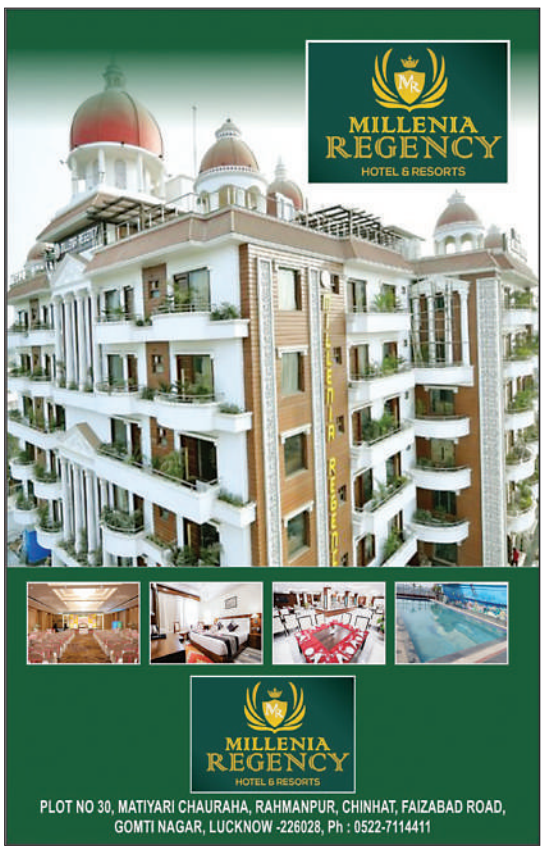

कर्नाटक : अब दूध पर राजनीति में उबाल

अमूल का राज्य में प्रवेश, नंदिनी ब्रांड से गठजोड़ का फैसला

- कांग्रेस-जेडीएस ने भाजपा के खिलाफ खोला मोर्चा
- लगाया अस्मिता को मिटाने की साजिश का आरोप
- सिद्धारमैया जनता के पास पहुंचे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में अब दूध की प्रवेश हो गया है। पूरे राज्य में कर्नाटक के दूध ब्रांड नदिनी व अमूल को लेकर सियासत होने लगी है। कांग्रेस ने बीजेपी सरकार पर राज्य की अस्मिता को मिटाने का आरोप लगाया है। दूध को लेकर यह घमासान इसलिए भी हो रही है क्योकि दूध से लाखों लोग जुड़े है जो चुनाव में पार्टियों को सत्ता के करीब पहुंचा सकते हैं। इसके पीछे गृहमंत्री की वह घोषणा भी है जिसमें उन्होंने कर्नाटक के किसानों से कहा था कि अमूल और नंदिनी दोनों मिलकर गुजरात के हर गांव में प्राइमरी डेयरी खोलने की दिशा में काम करेंगे। 3 साल बाद कर्नाटक का एक भी गांव ऐसा नहीं होगा, जहां प्राइमरी डेयरी नहीं हो। 5 अप्रैल को अमूल ने ट्वीट कर जल्द ही कर्नाटक के बेंगलुरु में लॉन्चिंग का ऐलान कर दिया है।

कर्नाटक में अमूल के आइस्क्रीम जैसे प्रोडक्ट तो पहले से बिकते हैं, लेकिन अब दूध और दही भी बेचे जाएंगे।अमूल के इस ऐलान के बाद से ही हंगामा मचा है। दरअसल, कर्नाटक में अमूल की तर्ज पर किसानों का बनाया को-ऑपरेटिव ब्रांड नंदिनी चलता है। कांग्रेस का कहना है कि बीजेपी साजिश के तहत कर्नाटक के दूध ब्रांड नंदिनी को खत्म करना चाहती है। लॉन्चिंग के बाद सोशल मीडिया पर नंदिनी बचाओ, ट्रेंड करने लगा। दरअसल, नंदिनी कर्नाटक का सबसे बड़ा को-ऑपरेटिव डेयरी ब्रांड है।

बेंगलुरु होटल्स एसोसिएशन ने कहा कि हम सिर्फ नंदिनी दूध का इस्तेमाल करेंगे। 8 अप्रैल को कांग्रेस नेता और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया अमूल मुद्दे को लेकर जनता के बीच पहुंच गए। सिद्धारमैया ने आम लोगों से अमूल दूध नहीं खरीदने की अपील की। साथ ही सिद्धरमैया ने अमित शाह के दिए बयान का जिक्र करते हुए कहा कि कर्नाटक के सबसे बड़े दूध ब्रांड नंदिनी को बीजेपी सरकार खत्म करना चाहती है। सिद्धारमैया ने ट्वीट किया, 'वो हम कन्नड़ लोगों की सभी संपत्ति को बेच देंगे। हमारे बैंकों को बर्बाद करने के बाद वे अब हमारे किसानों के बनाए नंदिनी दूध ब्रांड को खत्म करना चाहते हैं।'कर्नाटक के कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने कहा, 'हमारी मिट्टी, पानी और दूध मजबूत है। हम अपने किसानों और दूध को बचाना चाहते हैं। हमारे पास नंदिनी है जो अमूल से अच्छा ब्रांड है। हमें किसी अमूल की जरूरत नहीं है।

16 जिले के किसानों में नंदिनी डेयरी की पकड़

कर्नाटक के 16 जिलों के 26 लाख किसान केएमएफ यानी नंदिनी के साथ जुड़े हैं। 2021-2022 में इसने 19,800 करोड़ रुपए का कारोबार किया है। कुछ समय पहले तक इस संस्था के बड़े पदों पर जेडीएस नेता काबिज थे। पूर्व सीएम एचडी देवेगौड़ा के परिवार की हमेशा कर्नाटक मिल्क फेडरेशन पर नजर रही है। चुनाव के दौरान मतदाताओं तक पहुंचने के लिए राजनीतिक दल इसे हमेशा एक माध्यम के रूप में इस्तेमाल करते हैं। डीवी सदानंद गौड़ा ने भी मुख्यमंत्री बनने से पहले केएमएफ अध्यक्ष बनने की कोशिश की थी, लेकिन वह चुनाव हार गए। हालांकि, उन्हें बाद में भाजपा सरकार में सीएम बनाया गया था। कर्नाटक में बीजेपी के सत्ता में आने के बाद इसके नेताओं ने इस को-ऑपरेटिव संस्था पर नियंत्रण हासिल कर लिया। भाजपा विधायक बालचंद्र जराकी होली इस समय कर्नाटक मिल्क फेडरेशन के अध्यक्ष हैं।

बिहार और महाराष्ट्र में को-ऑपरेटिव के जरिए सत्ता में आई पार्टियां

गुजरात के अलावा मध्य प्रदेश में भी बीजेपी ने ग्रासरूट वोटरों तक अपनी पकड़ बनाने के लिए को-ऑपरेटिव सोसाइटी का इस्तेमाल किया था। बीजेपी ने सबसे पहले मध्य प्रदेश के को-ऑपरेटिव सोसाइटी में पहले जमे कांग्रेस नेताओं को हटाया। इसके बाद उनके लिए यहां सत्ता में आना आसान हो गया। बिहार में 1990 से पहले को-ऑपरेटिव सोसाइटी और सरकार दोनों पर कांग्रेस की पकड़ मजबूत थी, लेकिन 1990 के बाद राजद और दूसरे क्षेत्रीय दलों ने को-ऑपरेटिव सोसाइटी के पदों के लिए चुनाव लड़ना शुरू किया। इसका परिणाम ये हुआ कि 1990 के बाद कांग्रेस के हाथ से को-ऑपरेटिव सोसाइटी और सत्ता दोनों चले गई। इसी तरह महाराष्ट्र में गन्ना किसानों की संख्या ज्यादा होने की वजह से शरद पवार ने गन्ना को-ऑपरेटिव सोसाइटी पर पकड़ मजबूत बनाई। इसके बाद उनकी पार्टी एनसीपी का महाराष्ट्र की राजनीति में दबदबा बढ़ गया।

अमूल को लेकर कांग्रेस राजनीति कर रही : बोम्मई

इसके बाद मामले ने तूल पकड़ा तो मुख्यमंत्री बासवराज बोम्मई ने खुद मोर्चा संभाला। बोम्मई ने कहा, 'अमूल को लेकर कांग्रेस राजनीति कर रही है। नंदिनी सिर्फ कर्नाटक ही नहीं पूरे देश का पॉपुलर ब्रांड है। इसे सिर्फ एक राज्य तक सीमित नहीं रखना है। हम इसे दूसरे राज्यों तक ले जाने पर काम कर रहे हैं। इस ब्रांड के जरिए हमने न सिर्फ दूध उत्पादन को बढ़ाया बल्कि किसानों की कमाई को भी बढ़ाया। ऐसे में अमूल के मामले में विपक्ष के आरोप गलत हैं। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री के. सुधाकर ने कहा कि कांग्रेस भले ही इस मामले में राजनीति कर रही हो, लेकिन किसानों के लिए कुछ नहीं किया। पहली बार बीएस येदुरप्पा ने मुख्यमंत्री रहते हुए नंदिनी से जुड़े किसानों को एक लीटर पर दो रुपए सब्सिडी दी थी, जिसे बढ़ाकर अब 5 रुपए कर दिया गया है। हालांकि, इस पूरी राजनीति से इतर अमूल के मैनेजिंग डायरेक्टर जयेन मेहता ने कहा कि वो पहले ई-कॉमर्स के जरिए अपने प्रोडक्ट को कर्नाटक ले जाएंगे। बाकी दूध कंपनियों की तरह वह बाजार में जनरल ट्रेड के लिए नहीं जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसे अमूल वर्सेस नंदिनी नहीं बल्कि अमूल और नंदिनी के तौर पर देखा जाना चाहिए।

केंद्र सरकार कर रही साजिश : कुमारस्वामी

जेडीएस नेता व पूर्व सीएम एचडी कुमारस्वामी ने कहा, 'केंद्र सरकार अमूल को पिछले दरवाजे से कर्नाटक में स्थापित करना चाहती है। अमूल के जरिए बीजेपी कर्नाटक मिल्क फेडरेशन यानी केएमएफ और किसानों का गला घोंट रही है। कन्नड़ लोगों को अमूल के खिलाफ बगावत करनी चाहिए।

वोटो के लिए हो रही राजनीति

पॉलिटिकल एक्सपर्ट ने बताया कि गुजरात और दूसरे राज्यों की तरह ही कर्नाटक मिल्क फेडरनेशन यानी केएमएफ से 26 लाख से ज्यादा किसान जुड़े हैं। गांवों और छोटे शहरों में इस तरह की डेयरी का दबदबा है। सभी राजनीतिक दलों के लिए डेयरी से जुड़े किसान और उनके परिवार एकमुश्त वोट बैंक होते हैं। ऐसे में कर्नाटक के विपक्षी दलों को डर है कि गुजरात की अमूल कंपनी अगर वहां मजबूत होती है तो इसका फायदा बीजेपी को मिलेगा। इसमें कोई दो राय नहीं कि अमूल और नंदिनी के विलय में बीजेपी की राजनीतिक मंशा हो। इस पर राजनीति होने की एकमात्र वजह अलग-अलग को-ऑपरेटिव में राजनीतिक दलों का हावी होना है। किसी भी राज्य में गांव से ज्यादा शहर के वोटरों पर बीजेपी की पकड़ है। देश में करीब 2 लाख को-ऑपरेटिव डेयरी सोसाइटी और 330 चीनी मिल को-ऑपरेटिव हैं। ऐसे में बीजेपी नार्टक में इस तरह के को-ऑपरेटिव सोसाइटी के जरिए गांव के वोटरों को साधना चाहती है। गुजरात और महाराष्ट्र में ये तरीका सफल रहा है। कर्नाटक मिल्क फेडरेशन देश की दूसरी सबसे बड़ी डेयरी सोसाइटी है। ऐसे में गुजरात के को-ऑपरेटिव को कर्नाटक लाकर संभव है कि बीजेपी गांव तक अपनी पहुंच बनाना चाहती हो। हर राज्य की को-ऑपरेटिव सोसाइटी पर अलग-अलग राजनीतिक दलों के नेता की पकड़ होती है। चुनाव में ये नेता इन सोसाइटी के जरिए किसानों को साधने की कोशिश करते हैं। कर्नाटक के ज्यादातर डेयरी सोसाइटी मैसूर बेल्ट में है। इनमें मांड्या, मैसूर, रामनगर, कोलार जैसे जिले आते हैं। इस इलाके में लिंगायत और वोकालिग्गा समुदाय के लोगों की आबादी ज्यादा है। यहां वोकालिग्गा कांग्रेस और जेडीएस को वोट करते हैं, जबकि लिंगायत बीजेपी के वोटर हैं। कांग्रेस को डर है कि बीजेपी इस इलाके में अपने कैडर को खिसकने से बचाकर वोकालिग्गा को अपने खेमे में ला सकती है। इससे भविष्य में बीजेपी के लिए यहां सत्ता में बने रहना आसान हो जाएगा।

को-ऑपरेटिव सोसाइटी के प्रभाव से बनती हैं सरकारें

गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्य प्रदेश और कर्नाटक में को-ऑपरेटिव सोसाइटी यहां के नौजवानों को बड़ी संख्या में नौकरी देती है। इसका अपना बिजनेस मॉडल होता है। इसकी वजह से इन संस्थाओं का अपना एक कैडर होता है। इनका कैडर किसी राजनीतिक दल से भी ज्यादा मजबूत होता है। बड़ी संख्या में इनके समर्थक होते हैं। चुनाव के समय इन सोसाइटी के बड़े पदों पर बैठने वाले लोग इनके जरिए अपना एजेंडा पूरा करते हैं। इसीलिए राजनीतिक दल इस पर अपना वर्चस्व स्थापित करना चाहते हैं।अमित शाह, शरद पवार समेत कई बड़े नेता को-ऑपरेटिव सोसाइटी से राजनीति में आए हैं। इसकी वजह बड़ी आबादी से इन संस्थाओं का सीधे कनेक्ट होना है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

आईपीएल-16 से निखर रही है प्रतिभा

25 साल के बल्लेबाज ने हाल ही में आईपीएल में गुजरात टाइटंस के खिलाफ लगातार पांच छक्के जड़कर कोलकाता नाइटराइडर्स को जीत दिलाई थी। रिंकू सिंह की कहानी संघर्षों से भरी है और वो युवाओं के लिए प्रेरणा बन गए हैं। रिंकू सिंह उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ के रहने वाले हैं। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने काफी कठिनाइयां झेली, लेकिन कभी हार नहीं मानी। आखिरकार, रिंकू को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिला और वो इस कदर चमके कि हर कोई उनका दीवाना हो चुका है।

आईपीएल-16 में दो खिलाड़ी इन दिनों लोगों की जुबान पर चढ़े हुए हैं। एक हैं सुयश शर्मा व दूसरे हैं रिंकू सिंह। जहां सुयश ने अपनी गेंदबाजी के दम से सबको चकित किया तो रिंकू ने अपने बल्ले के कमाल से सबको झूमने को मजबूर कर दिया। सबसे बड़ी बात ये वे खिलाड़ी हैं जो भारत की राष्ट्रीय टीमों में जगह नही बना पा रहे थे। पर आईपीएल के मंच से उन्होंने उम्दा खेल दिखाकर चयनकर्ताओं को भी अपनी ओर खींचा। ये दोनों खिलाड़ी बहुत ही छोटे गरीब परिवारों से ताल्लुक रखते हैं। दोनों ने अपनी प्रतिभा के दम पर आईपीएल का यह मुकाम हासिल किया। ईडन गार्डन में खेले गए एक मैच में सुयस ने 30 रन देकर तीन विकेट लिए। वह उस मैच में इम्पैक्ट खिलाड़ी थे। ये भी इत्फाक है कि रिंकू व सुयश दोनों ही केकआर से खेलते हैं। सुयश सी गरीब परिवार है उनके पिता कैंसर की बीमारी से पीड़ित हैं। वहीं रिंकू सिंह इन दिनों चर्चा का केंद्र बने हुए हैं। 25 साल के बल्लेबाज ने हाल ही में आईपीएल में गुजरात टाइटंस के खिलाफ लगातार पांच छक्के जड़कर कोलकाता नाइटराइडर्स को जीत दिलाई थी। रिंकू सिंह की कहानी संघर्षों से भरी है और वो युवाओं के लिए प्रेरणा बन गए हैं। रिंकू सिंह उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ के रहने वाले हैं।

बाएं हाथ के बल्लेबाज ने काफी कठिनाइयां झेली, लेकिन कभी हार नहीं मानी। आखिरकार, रिंकू को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिला और वो इस कदर चमके कि हर कोई उनका दीवाना हो चुका है। रिंकू सिंह की निजी जिंदगी के बारे में काफी लोग जान चुके हैं कि उन्हें स्वीपर की नौकरी मिलने वाली थी। उनके पिता सिलेंडर बांटने का काम करते हैं। बेहद गरीबी में रिंकू सिंह का बचपन गुजरा, लेकिन वो अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहे। अब रिंकू सिंह से फैंस को उम्मीदें हैं कि यह हीरा जल्द ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चमकेगा। हालांकि, कम ही लोग जानते हैं कि रिंकू सिंह पर बीसीसीआई ने प्रतिबंध लगा दिया था। उनके करियर पर ब्रेक लग गया था। दरअसल, रिंकू सिंह ने बोर्ड को बिना जानकारी दिए अबुधाबी में एक टी20 लीग में हिस्सा लिया था। जब बीसीसीआई को इसकी भनक लगी तब उन्होंने क्रिकेटर पर कड़ा एक्शन लेते हुए तीन महीने का प्रतिबंध लगा दिया। रिंकू सिंह को इससे सबक मिला और उन्होंने भविष्य में कभी ऐसी गलती नहीं दोहराने का प्रण लिया। फिर रिंकू ने कड़ी मेहनत की और आईपीएल में उन्हें इसका इनाम भी मिला। केकेआर से 55 लाख रुपये में जुड़े रिंकू सिंह से फैंस को उम्मीद है कि वो आने वाले समय में अपना दमदार प्रदर्शन जारी रखे और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक का सफर तय करें। रिंकू व सुयश जैसे खिलाड़ियों ने उन लोगों के अंदर उम्मीद जगाई है जो खेलों को रोजगार के रूप में लेना चाहते हैं। इसके लिए बीसीसीआई को भर बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहिए कि उसने आईपीएल जैसा एक ऐसा प्लेटफार्म दिया जिससे क्रिकेट खिलाड़ियो को पैसे साथ नाम कमाने का भ्सी मौका मिला हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

दोषपूर्ण नीतियों के बनें कारगर विकल्प

इंद्रजीत सिंह

पिछले दिनों देशभर के किसान मजदूरों ने राजधानी दिल्ली में भारी संख्या में जाकर जिस तरह सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई वह अपने आप में अभूतपूर्व ही कही जाएगी। नि:संदेह किसान आंदोलन के मूल में खेती में निरंतर गहरा रहा संकट ही है। इसी संदर्भ में ग्रामीण जनता में जो असंतोष भिन्न-भिन्न रूप में प्रकट हो रहा है, उसका एक मुख्य कारण निश्चित तौर पर कृषि का घाटे का सौदा साबित होना है। इस स्थिति में लाल झंडे लहराते हुए रामलीला मैदान को भरने वाले कश्मीर से कन्याकुमारी तक से आए लोग आखिर कौन थे? वह मुख्य तौर पर संगठित व असंगठित क्षेत्र के श्रमिक, संकटग्रस्त किसान, कामकाजी महिलाएं और खेतिहर मजदूरों के संगठनों द्वारा की गई लामबंदी थी।

भारत में आश्चर्यचकित करने वाली आर्थिक विषमता का निरंतर बढ़ना भी इसी की पुष्टि करता है कि कार्पोरेट के महामुनाफे सुनिश्चित करने का लक्ष्य सत्ताधारी वर्गों की सर्वोच्च प्राथमिकता बना हुआ है। 45 लाख करोड़ रुपये के जिस केंद्रीय बजट को संसद के हंगामे के बीच मात्र 12 मिनट में पास कर दिया गया उसमें बेरोजगारी और महंगाई जैसी दो बड़ी समस्याओं का संबोधन सिरे से नदारद है। बजट में कृषि क्षेत्र और मनरेगा की बड़ी कटौतियों को लेकर न केवल किसान व मजदूर संगठन बल्कि अनेक जाने-माने अर्थशास्त्रियों और कृषि विशेषज्ञों ने भी तीखी आलोचना की थी। अफसोस की बात है कि इन आवंटनों में की गई कटौतियां बहाल नहीं की गईं। न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी के सवाल को नकार कर किसानों को कर्ज में धकेला जा रहा है। फसलों के लागत मूल्य में हो रही वृद्धि और उसके अनुपात में आय के न बढ़ने से कृषि व्यवसाय अवहनीय हो चुका है। प्याज, आलू व अन्य उत्पादों के मूल्यों में भारी गिरावट के खिलाफ कुछ सप्ताह पहले महाराष्ट्र के हजारों किसान व आदिवासियों का लंबा कूच अपने आप में नीचे पनप रहे रोष को ही दर्शाता है। जलवायु परिवर्तन से होने वाले मौसम बदलाव से फसलों की खराबी एक स्थाई समस्या बन गई है।

इस बार कटाई से ठीक पहले पकने की अवस्था में रबी फसलों की बर्बादी इसलिए भी ज्यादा नुकसानदायक है क्योंकि पूरी लागत पहले ही किसान द्वारा लगाई जा चुकी होती है। इन प्रभावित लोगों में वह भूमिहीन और छोटे किसान भी हैं जो किसी की जमीन लेकर ठेके पर खेती करते हैं। ये कर्ज लेकर भूमि के ठेके की रकम शुरू में ही अदा कर चुके

होते हैं। इन किसानों को तो फसल खराब की क्षतिपूर्ति भी नहीं होती। उदारीकरण और निजीकरण की नीतियों के परिणामस्वरूप रोजगार के बड़े पैमाने पर अनौपचारिक रूप लिए जाने के चलते स्थाई कार्यों का भी अस्थाई रोजगार हो चला है। श्रम कानूनों के ढीला किए जाने से सेवा सुरक्षा नहीं रही। जिस ठेका प्रथा की समाप्ति की मांग उठती थी वह अब रोजगार की स्थायी नीति बना दी गई है। काम के घंटे बढ़ गए पर न्यूनतम वेतन नहीं बढ़े। श्रम कानूनों को हटाकर लेबर कोड लादे जाने से पुन: बंधुआ प्रथा की ओर ले जाया जा रहा है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत अनेक आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति धीरे-धीरे बंद कर दी गई है। पांच किलो मुफ्त अनाज की आड़ में 2 रुपये किलो के रेट पर 35 किलो अनाज बंद कर दिया गया है। हरियाणा में तो परिवार पहचान पत्र में मनमानी आय दर्ज करते हुए लोगों को बड़े पैमाने पर सामाजिक सुरक्षा के दायरे से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। सच्चाई की बात तो यह है कि सवाल केवल मात्र जीवन स्तर गिरने तक का नहीं बल्कि आधी से ज्यादा जनसंख्या के अस्तित्व मात्र का खड़ा हो गया है। यह नहीं भूलना चाहिए कि भारत का संविधान केवल जीने का अधिकार नहीं बल्कि 'मर्यादा' से जीने का अधिकार प्रदान करता है। इसलिए अपने बुनियादी सवालों के समाधान हेतु देश का निर्माण करने वाले मजदूर, किसान व कामकाजी महिलाएं हमारे संविधान के दिशा-निर्देशों के अनुरूप मौजूदा नीतियों की जगह ज्यादा समतामूलक वैकल्पिक नीतियों की पैरवी करने के लिए देश की राजधानी में गुहार लगाने आए थे। वे स्वयं उपस्थित होकर खुद भुक्तभोगी के तौर पर सरकार द्वारा किए जा रहे विकास के कथित दावों को नकारने आए थे।

किसान व ट्रेड यूनियन नेताओं ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि वह प्रतिवर्ष दो करोड़ रोजगार प्रदान करने उन वादों से विपरीत काम कर रही है जो चुनाव के समय जनता के समक्ष किये गए थे। नेताओं ने कहा कि मेहनतकश वर्गों पर तीन स्तरीय हमला हो रहा है। पहला आर्थिक यानी आजीविका पर, दूसरा जनतांत्रिक व ट्रेड यूनियन अधिकारों पर और तीसरा जनता के सामाजिक सद्भाव पर किया जा रहा है।

तकनीकी छलांग हेतु 6जी क्षमता जरूरी

दिनेश सी. शर्मा

केंद्र सरकार ने हाल ही में अगली पीढ़ी की संचार तकनीक के दृष्टिपत्र में 6जी लाने की बात कही है। 5जी नेटवर्क जिसका आगाज दूरसंचार कंपनियों ने अभी पिछले साल ही किया है, और अधिकांश लोग इसका अनुभव अभी ले भी नहीं पाए हैं, 6जी तो उससे कहीं अधिक आगे होगी। हालांकि 6जी के फलीभूत होने में वक्त लगेगा, लेकिन कहा जा रहा है कि इसमें डाटा स्पीड, सीमाओं को लांघते हुए, 1 टैराबिट प्रति सेकिंड होगी जो कि 5जी की गति से 100 गुणा अधिक है। 6जी में नेटवर्क लेटेन्सी या रिस्पॉन्स टाइम एक मिलीसेकिंड से भी कम है, जो व्यक्ति-से-व्यक्ति और मशीन-से-मशीन के बीच संप्रेषण में क्रांतिकारी परिवर्तन ला देगा।

इस किस्म के नेटवर्क का बृहद असर अकल्पनीय है, जीवन का कोई भी पहलू इससे अछूता नहीं रहेगा शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य तक और परिवहन से लेकर उत्पादन तक। अहम यह कि, रक्षा विशेषज्ञों की दलील है कि 6जी की सामरिक महत्ता को देखते हुए इसमें निवेश करना अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निवेश जितना महत्वपूर्ण है। यह साल 2020 में द ट्रिब्यून में लेफ्टिनेंट जनरल एसएस मेहता (सेवानिवृत्त) द्वारा व्यक्त किया गया था। 6जी से टैक्टाइल इंटरनेट और हॉलोग्राफिक संप्रेषण हकीकत बन सकता है। यह नेटवर्क ऑगमेंट रिएल्टी, वर्चुअल रिएल्टी और मिक्स्ड रिएल्टी बनाने में मददगार होगा। न केवल इससे उपयोग का अनुभव बेहतर बनेगा बल्कि इसमें आर्थिकियों का स्वरूप बदलने की संभावना भी है। 6जी को हकीकत में बदलने के लिए नई नेटवर्क तकनीक, उपकरण, मानक इत्यादि जरूरी होंगे। ऐसे में, जबकि 5जी का अनुभव पूरी तरह लेना बाकी है, अगली पीढ़ी (6जी) को विकसित करने की गंभीर कोशिशें हो रही हैं।

भारत का संचार दृष्टि पत्र कहता है कि बतौर विश्व के दूसरे सबसे बड़े टेलीकॉम बाज़ार, भारत को प्रौद्योगिकी विकास करके दुनिया में अग्रणी नेट तकनीक प्रदाता और उत्पादक बनना होगा। इसलिए, छठी पीढ़ी की टेलीकॉम तकनीक को विकसित और परिष्कृत करने की प्रक्रिया में सक्रियता से भागीदार बनना होगा। साल 2022 में सरकार ने एक कार्यबल का गठन किया था जिसे खासतौर पर यह पड़ताल करने को कहा गया कि भारत टेलीकॉम क्षेत्र में वैश्विक बढ़त कैसे बना सकता है। इसके परिणामस्वरूप 22 मार्च को प्रधानमंत्री मोदी द्वारा जारी किया गया यह दस्तावेज उद्योगों, शिक्षा संस्थानों और सेवाप्रदाताओं के द्वारा अनुसंधान एवं विकास करने और नई तकनीकों के प्रुफ-ऑफ-कॉन्सेप्ट प्रोटोटाइप इत्यादि के विकास में तरजीहों की पहचान करने का आह्वान करता है। इसकी प्राप्ति दो चरणों में होगी। प्रथम चक्र (2023-25) में खोजपूर्ण अनुसंधान और बौद्धिक संपदा का विकास करना है तो द्वितीय चरण (2023-30) में परीक्षण के बाद व्यवसायीकरण करना।

एक ओर जहां भारत लंबी तकनीकी छलांग लगाकर 6जी क्षमता बनाने की चाहत रखे हुए है और कहता है कि यह नेटवर्क किफायती, सर्वव्यापी और टिकाऊ होगा वहीं 35000 भारतीय गांवों में आज भी पायेदार 2जी स्तर की सुविधा तक नहीं है। वहीं भारत की इसके द्वारा विकसित 6जी तकनीक की बाकी दुनिया में स्वीकार्यता की इच्छा की बात दस्तावेज की अति महत्वाकांक्षा दर्शाती है। आज दुनिया में 6जी तकनीक क्षेत्र में एक-दूसरे से बढ़त बनाने की दौड़ जारी है। टेलीकॉम उद्योग जगत के नेतृत्व वाले नेक्सट जी एलायंस ऑफ नॉर्थ अमेरिका ने 50 तकनीकी पहलुओं को चिन्हित किया है, जिसमें सिस्टम कॉम्पोनेंट, रेडियो टेक्नोलॉजी, नेटवर्क आर्किटेक्चर, सिक्योरिटी, विश्वसनीयता, निजता और लचीलापन इत्यादि शामिल हैं। दक्षिण कोरिया ने साल 2021 में अपने विश्वविद्यालयों में तीन 6जी अनुसंधान केंद्र स्थापित किए हैं और अपने लघु एवं मध्यम उद्यमों, विश्वविद्यालयों और अनुसंधान केंद्रों के सम्मिलित अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा दे रहा है। यूरोपियन 6-जी दृष्टिपत्र के ध्यान का केंद्र इंटेलीजेंट नेटवर्क मैनेजमेंट एंड कंट्रोल, इंटीग्रेटेड वायरलेस सेंसिंग एंड कम्युनिकेशन, एनर्जी एफीशिएंसी एंड स्केलेबिलिटी है। वहीं जापान का ध्यान अधिकांशत: इंटीग्रेटेड ऑप्टिक्स एंड वायरलैस नेटवर्क फोरम की योजना में कॉगनिटिव कैपेसिटी, रिस्पॉन्सिवनेस, स्केलेबिलिटी बनाने पर है। 6जी तकनीक का विकास करना उन तकनीकों में एक है, जिनमें चीन अगले दशक में सिरमौर बनने की चाहत रखता है।

भारत का 6जी दृष्टिपत्र उस प्रमुख अनुसंधान मार्ग की पहचान करता है जिसको लेकर वैश्विक प्रयास हो रहे हैं और जो भारतीय परिप्रेक्ष्य में नई संभावनाओं के लिए विशेषतौर पर प्रासंगिक हैं। इसको पहले नीतिगत रूप में और फिर क्रियान्वयन स्तर पर तब्दील करने की खातिर अनुसंधान एवं विकास मद में दीर्घकालीन धन मुहैया करवाने की जरूरत पड़ेगी। नेक्सट जी-एलायंस के संस्थापकों की सूची में एटीएंडटी, बेल, इंटैल, सैमसंग, एप्पल, डेल, सिस्को, एरिक्सन, गूगल, हैलियु पैकर्ड, एलजी, माइक्रोसॉफ्ट, नोकिया इत्यादि नामी कंपनियां हैं। कोरिया, जापान और यूरोप में 6जी पहल कार्यक्रम को बड़े स्तर पर उद्योगों की भागीदारी के अलावा सरकारी मदद भी मिल रही है। इसके बरक्स भारतीय योजना पूर्णरूपेण सरकार नीत है।

पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है मटके का पानी

गर्मी में सिर्फ पानी पीने के इच्छा होती है और ऐसे में फ्रिज का ठंडा पानी मिल जाए तो इससे अच्छी बात और क्या हो सकती है। लेकिन यदि गर्मी में फ्रिज के बजाय मटके का पानी पिएंगे तो बहुत फायदेमंद होगा। मटका मिट्टी का बना होता है और मिट्टी के तत्व पानी में मिलने के बाद उसे और सेहतमंद बना देते हैं। मटके का पानी हर उम्र के लोगों के लिए बेहद फायदेमंद होता है। इस पानी से शरीर में होने वाली सभी गंदगी की दूर होती है। मटके का तापमान सामान्य से थोड़ा ही कम होता है जो ठंडक तो देता ही है, पाचन की क्रिया को बेहतर बनाने में मदद करता है। अगर आपको गैस या एसिडिटी की समस्या रहती है, तो ऐसे में रोजाना मिट्टी के घड़े का पानी पीना बेहद फायदेमंद रहेगा। क्योंकि इसके सेवन से पाचन क्रिया सुचारू रूप से कार्य करती है। इसे पीने से शरीर में टेस्टोस्टेरॉन का स्तर भी बढ़ता है।

पीएच लेवल को करता है मेंटेन

मटके का पानी पीने का एक बड़ा फायदा यह भी है कि यह पीएच लेवल मेंटेन करने में सहायता करता है। ऐसा मिट्टी में मौजूद क्षारीय गुणों के कारण संभव हो पाता है। मिट्टी के यह क्षारीय गुण पानी की अम्लता के साथ प्रभावित होकर, उचित पीएच संतुलन प्रदान करता है। मटके का पानी एसिडिटी और पेट दर्द जैसी समस्याओं को दूर करने का कार्य करता है।

मटका कैसे ठंडा करता है पानी

मिट्टी से बने होने के कारण मटके में अनेक सूक्ष्म छिद्र मौजूद होते हैं। आकार में बहुत सूक्ष्म होने के कारण इन छिद्रों को नग्न आंखों से देखना सम्भव नहीं होता। बता दें कि पानी का ठंडा होना वाष्पीकरण की क्रिया पर निर्भर होता है। जिसका मतलब जितना अधिक वाष्पीकरण उतना ज्यादा ठंडा पानी। इन सूक्ष्म छिद्रों द्वारा मटके का पानी बाहर निकलता रहता है और मटके में वाष्प बनाने के लिए गर्मी यह मटके के पानी से लेता है। इस पूरी प्रक्रिया में मटके का तापमान कम हो जाता है और पानी ठंडा रहता है।

लू से भी बचाता है

अगर आप मटके का पानी पीते हैं तो इससे आप लू से बचे रहते हैं। जैसा कि हम सभी लोग जानते हैं गर्मियों के मौसम में बहुत भीषण गर्मी पड़ती है जिसकी वजह से लोगों को सनस्ट्रोक या लू लगना एक बहुत ही आम समस्या होती है। ऐसे में घड़े का पानी पीते हैं तो आपको लाभ मिलता है क्योंकि यह पानी विटामिन और खनिज शरीर के ग्लूकोज के स्तर को बनाए रखने में सहायता करता है जिससे शरीर को ठंडक मिलती है।

कैंसर के खतरे को कम करता है

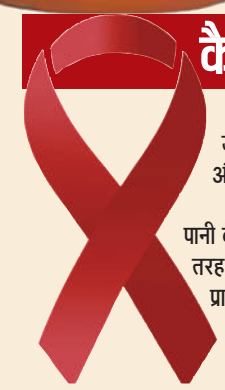

मटके का पानी पीने से कैंसर की बीमारी का खतरा बहुत कम हो जाता है। घड़े का पानी गले से संबंधी बीमारियों से बचा कर रखता है और यह हमको जुकाम खांसी की परेशानी से भी बचाता है। मटके का पानी पीना से पीएच संतुलन सही होता है। मिट्टी के क्षारीय तत्व और पानी के तत्व मिलकर उचित पीएच बेलेंस बनाते हैं जो शरीर को किसी भी तरह की हानि से बचाते हैं और संतुलन बिगड़ने नहीं देते। मटके का पानी प्राकृतिक तौर पर ठंडा होता है, जबकि फ्रिज का पानी इलेक्ट्रिसिटी की मदद से। बल्कि एक बड़ा फायदा यह भी है कि इसमें बिजली की बचत भी होती है।

वात, पित्त और कफ को करे नियंत्रित

बर्फीला पानी पीने से शरीर के तापमान में अचानक बदलाव आने लगता है। जिससे वात, पित्त और कफ बिगड़ने लगता है और सर्दी, खरास तथा कब्ज और अपच हो जाती है। वहीं मटके का पानी प्राकृतिक रूप से ठंडा होने के कारण किसी प्रकार का नुकसान नहीं पहुंचाता।

टॉक्सिक पदार्थों को अवशोषित करे मटका

मिटटी में मौजूद प्राकृतिक गुण पानी के सभी विषैले पदार्थ को अवशोषित कर लेते हैं और आपको एक साफ और मिरनलस से भरपूर पानी प्रदान करते हैं। साथ ही मटके का पानी ना बहुत अधिक ठंडा, ना बहुत गर्म होता है।

शरीर को ठंडक पहुंचाता है मटके का पानी

अगर गर्मियों के मौसम में मटके का पानी पिया जाए तो यह शरीर को ठंडा रखने में बेहद मददगार साबित होता है। आपको बता दें कि मिट्टी के घड़े की सतह में छोटे-छोटे पोर्स होते हैं इनमें पानी आसानी से इवैपोरेट हो जाता है, जिससे उसकी गर्मी खत्म हो जाती है। इसी वजह से मटके में रखा हुआ पानी का तापमान कम हो जाता है। मटके का पानी प्राकृतिक रूप से ठंडा होता है जो शरीर को ठंडा रखने में भी मदद करता है।

हंसना मना है

अध्यापक- टेबल पर चाय किसने गिराई? इसे अपनी मातृभाषा में बोलो। छात्र- मातृभाषा मतलब मम्मी की भाषा में? अध्यापक- हां। छात्र- अरे छाती कूटा म्हारा जीव लियां बिना थने चैन नी पड़े? ओ की थारो बाप ढोली चाय? अध्यापक बेहोश!

टीचर ने साईन्स लैब में अपनी जेब से 1 सिक्का निकाला और एसिड में डाला ओर छात्र से पूंछा ये बता कि ये सिक्का घुल जाएगा या नहीं.. छात्र- सर नहीं घुलेगा, सर- शाबाश लेकिन तुझे कैसे पता.. छात्र-सर अगर एसिड में डालने से सिक्का घुलना होता तो, आप सिक्का हमसे मांगते ना कि अपनी जेब से निकालते ..

नर्सरी क्लास का बच्चा बोला-मैम में आपको कैसा लगता हुं, मैम- so sweet !! बच्चा अपनी साइड के लड़के से -देखा ,मैने बोला था ना ,लाइन मारती है !!!

टीचर- ईरादे बुलन्द होने चाहिये, पत्थर से भी पानी निकाला जा सकता है, पप्पू- मै तो लोहे से भी पानी निकाल सकता हूं, टीचर- कैसे, पप्पू- हैंड पम्प से।

कहानी — मुल्ला नसरुद्दीन का भाषण

मुल्ला नसरुद्दीन अपनी चतुराई और हाजिर जवाबी के लिए हमेशा चर्चा में रहते थे। एक दिन उन्हें शहरवासियों ने भाषण देने के लिए आमंत्रित किया। मुल्ला जब मंच पर आए, तो सभी की नजर उन पर थी। भाषण देने से पहले उन्होंने वहां उपस्थित सभी लोगों से पूछा, क्या आप लोगों को पता है कि मैं किस विषय पर बोलने वाला हूं? लोगों ने उत्तर दिया कि हमें नहीं मालूम। यह सुनते ही मुल्ला चिढ़ गए और कहने लगे, अगर आप लोगों को नहीं पता कि मैं किस विषय पर भाषण देने वाला हूं, तो मेरे भाषण देने का कोई मतलब नहीं है। और वह मंच से नीचे उतर कर चले गए। मुल्ला की इस बात को सुनकर वहां मौजूद लोग काफी शर्मिंदा हुए और उन्होंने एक हफ्ते बाद फिर से उन्हें भाषण देने के लिए आमंत्रित किया। मंच पर आने के बाद मुल्ला ने फिर से पहले वाला सवाल दोहराया, क्या आप लोगों को पता है कि मैं आज कौन से विषय पर बोलने वाला हूं? लोगों ने जवाब दिया, जी हां, हमें पता है कि आप किस विषय पर भाषण देने वाले हैं। मुल्ला ने चिढ़ते हुए कहा, अगर आप सभी को पता है कि मैं किस विषय पर भाषण देने वाला हूं, तो मेरा बोलना बेकार है। मैं अपना और आप सभी का समय बर्बाद नहीं करना चाहता हूं। यह बोलकर मंच से उतरकर मुल्ला चले गए। मुल्ला की बात सुनकर सभी लोगों ने आपस में बातचीत कर यह निर्णय लिया कि इस बार मुल्ला के सवाल पर आधे लोग कहेंगे कि हमें पता है और आधे लोग यह जवाब देंगे कि हमें नहीं पता। मुल्ला नसरुद्दीन को तीसरी बार भाषण देने के लिए आमंत्रित किया गया। मंच पर चढ़ने के बाद मुल्ला ने फिर से अपना सवाल दोहराया, क्या आप सभी जानते हैं कि आज मैं किस विषय पर भाषण देने के लिए आया हूं? वहां उपस्थित आधे लोगों से जवाब दिया कि हमें मालूम है और आधे लोगों ने कहा कि हमें नहीं पता। लोगों की बात सुनकर मुल्ला ने कहा, जिन लोगों को पता है कि मैं भाषण में क्या बोलने वाला हूं, वो आधे अनजान लोगों को बता दें। इतना कहकर मुल्ला मंच से नीचे उतरे और चले गए। भाषण सुनने आए सभी लोग एक दूसरे का मुंह देखते रह गए। उस दिन के बाद कभी किसी ने मुल्ला को भाषण देने के लिए नहीं बुलाया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — पैसे की ज्यादा उम्मीद लगाने से नुकसान की परिस्तिथियां बन सकती है। आज युवाओं को कारोबार, नौकरी की तलाश में सफलता मिलेगी।

वृषभ — खुद पर ज्यादा ध्यान देंगे और अच्छा खासा खर्चा भी कर सकते हैं, जिससे आपके व्यक्तित्व में निखार आएगा। अपनी वाणी से लोगों को अपना बनाने का प्रयास करेंगे।

मिथुन — आज कई दिनों से चली आ रही उलझन समाप्त हो जायेगी। कार्यों में जीवनसाथी का सहयोग मिलाने से आप अपने कार्य समय से पहले पूरा करने में सफल होंगे।

कर्क — आज किसी जरुरतमंद की मदद करने से आपको लाभ होगा। व्यापारियों के लिए आज का दिन अच्छा रहने के संकेत है। आय में बढ़ोतरी के आसार हैं।

सिंह — खर्चों में अधिकता होने से मन पर एक बोझ बढ़ेगा। मानसिक चिंताएं बढ़ेंगी। सेहत भी कमजोर रहेगी। किसी काम में मन कम लगेगा लेकिन भाग्य के सहारे कई काम बन जाएंगे।

कन्या — आज कारोबार में लाभ होने के योग बन रहे हैं। कार्यों में भाई-बहन का सहयोग प्राप्त होगा। आज सही योजना के तहत करियर में बदलाव लायेंगे।

तुला — आज का दिन आपके लिए भाग्यशाली है। भाग्यवृद्धि के लिए अवसर सामने आएंगे। आज शरीर में आलस रहने के कारण आप अपने कार्यों को सही तरीके से पूरा नहीं कर पायेंगे।

वृश्चिक — यात्रा के लिए समय शुभ नहीं है, दिक्कतें आ सकती हैं, इसलिए ना जाएं। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा लेकिन परिवार में किसी छोटे सदस्य की सेहत बिगड़ सकती है।

धनु — आज आर्थिक लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। आज आपका स्वास्थ्य बेहतर बना रहेगा। आज परिवार में एक दूसरे के साथ आपसी सामंजस्य बेहतर होंगे।

मकर — मकर राशि वाले आय-व्यय में नियंत्रण रखें। पुराने मित्रों से मुलाकात होगी। जमीन जायदाद के लिए विवाद हो सकता है। विरोधी सक्रीय होंगे।

कुम्भ — कहीं दूर जाने का विचार बनाएंगे लेकिन फिलहाल के लिए यह सब रद्द कर दें क्योंकि समय अनुकूल नहीं है। इनकम में गिरावट आ सकती है और खर्चों में बढ़ोतरी होगी।

मीन — आज कार्यों में परिवार का सहयोग प्राप्त होगा। आज आपकी सेहत अच्छी बनी रहेगी। ज्यादा तली-भुनी चीज़े खाने से बचें, नहीं तो एसिडिटी की समस्या हो सकती है।

बॉलीवुड | यादें

20 सालों बाद फिर साथ नजर आई तेरे नाम की जोड़ी

सलमान खान अपनी अपकमिंग फिल्म किसी का भाई किसी की जान को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। लंबे समय तक फैंस को इंतजार करवाने के बाद बीते दिन भाईजान ने फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया। इस मौके पर तेरे नाम की सुपरहिट जोड़ी राधे और निर्जला भी साथ नजर आई। किसी का भाई किसी की जान के ट्रेलर लॉन्च पर फिल्म की लगभग पूरी स्टारकास्ट पहुंची। इस दौरान सलमान खान के साथ भूमिका चावला भी आईं। तेरे नाम के लगभग 20 सालों बाद दोनों की जोड़ी एक बार फिर साथ देखने को मिली। भूमिका दोबारा सलमान के साथ फिल्म किसी का भाई किसी की जान में काम कर रही हैं। ट्रेलर लॉन्च इवेंट में सलमान और भूमिका ने पुरानी यादों को शेयर किया और कुछ मजेदार किस्से भी बताए। सलमान के बारे में बात करते हुए भूमिका ने कहा कि उन्हें अच्छा लगता है कि कैसे सलमान चीजों को लेकर रिएक्ट करते हैं। तेरे नाम के दौर को याद करते हुए एक्ट्रेस ने कहा, ऐसा लगता है वो दूसरी जिंदगी थी। हम दोनों उस वक्त जवान थे, लेकिन जिंदगी आगे बढ़ती है और हम भी आगे बढ़ जाते हैं। हम सभी बदल जाते हैं। तेरे नाम के म्यूजिक लॉन्च के दौरान हुए एक मजेदार किस्से के बारे में बताते हुए भूमिका ने कहा कि उन्होंने इस इवेंट में अपनी खुशी जाहिर करते हुए बोल दिया था कि सलमान भाई के साथ काम करके वो बेहद खुश हैं। इस पर सलमान ने हैरान होते हुए कहा, ये क्या हो रहा है। भूमिका ने आगे कहा, आज मैं आपको सलमान भाई नहीं बोलूंगी। इस पर सलमान ने पूछा, ऐसा क्या बदल गया? इतना सुनते ही ऑडियंस की हंसी छूट गई। भूमिका ने ये भी कहा कि दोनों अब काफी समझदार हो चुके हैं और उन्होंने सलमान खान के अंदर अब काफी बदलाव भी देखे हैं। एक्ट्रेस ने भाईजान के साथ दोबारा काम करने पर अपनी खुशी भी जाहिर की।

उर्फी ने रणबीर से कहा-भाड़ में जाओ!

उर्फी जावेद एक टीवी एक्ट्रेस हैं जो कभी अपने फैशन सेंस तो कभी अपने किसी स्टेटमेंट की वजह से सुर्खियों में रहती हैं।वैसे तो उर्फी एक टीवी एक्ट्रेस हैं लेकिन उनका टिकट टू फेम उनका अतरंगी फैशन सेंस और अजीबोगरेब कपड़े हैं। कुछ समय पहले, एक्ट्रेस करीना कपूर खान के रेडियो शो में उनके कजिन और एक्टर रणबीर कपूर आए थे जहां उन्होंने उर्फी के फैशन सेंस को बैड टेस्ट बताया।उर्फी जावेद ने उसपर रिएक्ट करते हुए कहा- भाड़ में जाए रणबीर.. उर्फी का यह स्टेटमेंट इतना वायरल हो गया कि अब एक्ट्रेस को इसी पर एक सफाई जारी करनी पड़ी है और उन्होंने क्लैरफाइ किया है कि उनके कहने का मतलब क्या था.. उर्फी जावेद ने हाल ही में ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे के साथ हुए अपने इंटरव्यू में रणबीर के उनके फैशन सेंस पर बैड टेस्ट वाले कमेंट पर रिएक्ट किया है।एकरेस ने कहा कि रणबीर के इस कमेंट ने उन्हें अपसेट किया लेकिन उन्हें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है उन्होंने आगे कहा- भाड़ में जाए रणबीर, करीना ने मेरी तारीफ की है, अब तो क्या है..रणबीर किआइ क्या औकात है! अब उर्फी के इंटरव्यू का यह हिस्सा सोशल मीडिया पर बहुत वायरल हो रहा है और अब इसपर भी एक्ट्रेस को सफाई पेश करनी पड़ गई है। उर्फी ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर एक स्टोरी शेयर करके लिखा है- मैंने ये कभी नहीं कहा! मैं सिर्फ मजाक कर रही थी कि रणबीर भाड़ में जाए, करीना ने तारीफ कर दी अब! मैं सार्कैस्टिक हो रही थी, मजाक कर रही थी। रणबीर ने जो कहा, वो उनका नजरिया है, मुझे उनके कमेंट में कुछ भी खराब नहीं लगा। मैंने रणबीर को सच में भाड़ में जाने को नहीं बोला था। आगे एक्ट्रेस ने कहा कि वो मजाक कर रही थीं और रणबीर को उन्होंने गो टू हेल नहीं भाड़ में जाओ बोला, उनके हिसाब से दोनों अलग होते हैं।

अब एक्ट्रेस ने वायरल कमेंट पर दिया क्लैरिफिकेशन

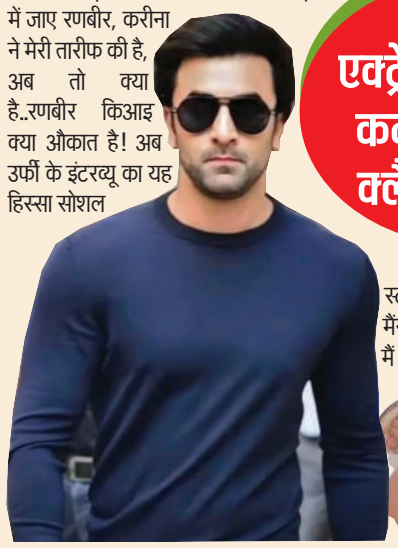

जूही चावला ने ड्रग केस से आर्यन खान को बचाने में निभाई थी अहम भूमिका

जूही चावला और शाहरुख खान ने 90 के दशक में डर, फिर भी दिल है हिंदुस्तानी, पहेली और डुप्लीकेट समेत कई बेहतरीन फिल्में दी हैं। इन दोनों की दोस्ती उसी दौर से आज तक बरकरार है। वहीं, अब जूही ने शाहरुख संग अपनी बॉन्डिंग पर चुप्पी तोड़ी है। साथ ही आर्यन खान के ड्रग केस में अपने सहयोग पर भी चर्चा करती नजर आई हैं। जूही चावला ने यह साफ किया है कि भले ही उनकी नियमित रूप से शाहरुख खान संग मुलाकात नहीं हो पाती है, लेकिन जब ड्रग केस में आर्यन खान के लिए समर्थन की जरूरत थी तो वह उनके साथ थीं। इतना ही नहीं ड्रग केस में आर्यन को जमानत दिलाने में भी जूही ने अहम भूमिका निभाई थी। जमानत की शर्तों के लिए एक ऐसे व्यक्ति की जरूरत थी जो आर्यन की गारंटी ले। इस बुरे दौर में जूही ने गारंटी ली और मुसीबत के समय में अपने दोस्त शाहरुख के परिवार के लिए मसीहा बनकर उभरीं। जूही चावला शाहरुख खान के बेटे आर्यन को जमानत दिलाने के लिए मुंबई सेशन कोर्ट में मौजूद थीं, जहां उन्होंने 1 लाख रुपये के मुचलके पर हस्ताक्षर किया और आर्यन की जमानत ली। इसका मतलब यह था कि अगर आर्यन पैसे का भुगतान करने में विफल रहते हैं तो जूही कानूनी रूप से जिम्मेदार होंगी। जूही चावला ने एक मीडिया संस्थान से बात करते हुए इस मुद्दे पर कहा, हमें नहीं पता था कि यह आ रहा था, लेकिन यह सब उस क्षण पर आ गया जब मैं मदद कर सकती थी। मैंने सोचा कि यह मेरे लिए सही काम था - उसके लिए वहां रहना। जैसा की आप जानते हैं कि जूही चावला और शाहरुख खान 90 के दशक की फेमस ऑन-स्क्रीन जोड़ी थे। दोनों के पास साल 2007 से साथ में एक आईपीएल टीम भी है, जिसका नाम केकेआर है।

बॉलीवुड | मसाला

अजब-गजब | भारत का रहस्यमयी समुद्र

कुछ घंटों के लिए गायब हो जाता है पानी

भारत में कई ऐसे विचित्र स्थान मौजूद हैं, जिनका रहस्य सुलझा पाना थोड़ा मुश्किल है। ऐसे ही रहस्यों में से एक है ओडिशा का चांदीपुर बीच। यह रहस्यमयी बीच चांदीपुर के छोटे से शहर में बालासोर गाँव के पास है। यह अद्वितीय है क्योंकि यहां समुद्र का पानी समय-समय पर आंखों के सामने से गायब हो जाता है और फिर कुछ समय बाद दिखाई देने लगता है। आइये जानें इस रहस्यमयी बीच से जुड़ी कुछ ख़ास बातों के बारे में।

ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर से कुछ ही किलोमीटर की दूरी पर स्थित यह एकांत समुद्र तट है। जहां समंदर कुछ घंटों के लिए गायब हो जाता है और फिर वापिस लौट आता है। इस बीच का नाम चांदीपुर है। इस बीच पर पहुंचने के लिए बालेश्वर या बालासोर स्टेशन पर उतरना होता है, जहां से चांदीपुर 30 किलोमीटर दूर है। बालासोर ओडिशा का एक छोटा सा शांत कस्बा है और चांदीपुर बीच इसी कस्बे में स्थित है।

हाइड एंड सीक के बीच के नाम से पॉपुलर इस बीच की गायब होने और वापस दिखाई देने की वजह से इसे लुका छिपी बीच या हाइड एंड सीक बीच भी कहा जाता है। इस चांदीपुर बीच में कैसुरीना पेड़ों, प्राचीन पानी और रसीला तटीय वनस्पति है। यहां समुद्र का पानी कम-ज्वार के दौरान 5 किलोमीटर तक दिन में दो बार, केवल गोले को पीछे छोड़ देता है। उच्च ज्वार के दौरान पानी लौटता है। इस तरह समुद्र लुका छिपी खेलता हुआ दिखाई देता है।

हर दिन होता है ऐसा

इस प्राकृतिक घटना की वजह से यह बीच काफी पॉपुलर है। जब समुद्र का पानी फिर से प्रकट होता है, तो यह अपने साथ केकड़े और लाल केकड़े लाता है। हालांकि समुद्र के पानी के गायब होने का कोई निश्चित समय नहीं है क्योंकि यह चंद्रमा चक्र पर निर्भर करता है, लेकिन यह हर दिन होता है। स्थानीय लोग निम्न और उच्च ज्वार के समय से परिचित हैं। इस समुद्र तट पर सूर्योदय और सूर्यास्त विशेष रूप से शानदार प्रतीत होता है। चाहे समुद्र का पानी दिखे या नहीं समुद्र तट खूबसूरत ही दिखता है।

यहां मेहमानों के साथ सुलाते हैं बीवी जीवन में सिर्फ 1 दिन नहाती हैं लड़कियां

भारत ही नहीं दुनिया में कई ऐसे देश हैं जहां के अनोखे रिवाज चर्चा की विषय बने रहते हैं। कइयों पर तो भरोसा करना भी मुश्किल होता है। ऐसे ही कई परंपराए निभाई जाती है अफ्रीका की हिंबा जनजातियों के बीच। जहां, लोग मेहमानों के साथ बीवी को सुलाते है और यहां लड़कियों सिर्फ एक ही दिन नहाती हैं वो भी अपनी शादी के रोज।

अचंभवित करते हैं कई रिवाज

हिंबा जनजाति अफ्रीकी देश नामीबिया के कुनैन प्रांत में निवास करती है। ये इलाका दुनिया के सबसे सूखे इलाकों में से एक है।इसी कारण हिंबा जनजाति में कई ऐसी परंपराएं और रीति-रिवाज होते हैं जो लोगों को अचरज में डालते हैं।इनकी कई परंपराए पानी के इस्तेमाल पर निर्भर होती हैं। हिंबा जनजाति की लड़कियों के केवल एक ही दिन नहाने की परंपरा है वो भी शादी के दिन।ऐसा वहां पानी की कमी के कारण किया जाता है। हालांकि, सारी उम्र न नहीने के बाद भी इनकी महिलाओं के शरीर से बदबू नहीं आती। इसके लिए वो एक खास किस्म का पेस्ट का उपयोग करती हैं जो तेल में एक खनिज की धूल मिलाकर तैयार किया जाता है।

लेप से होते हैं कई और काम

यहां महिलाएं जिस लेप का उपयोग करती हैं वो सिर्फ गंध मिटना के लिए ही नहीं बल्की कई और काम आता है।ये खास लेप इन मिलाओं को धूप से बचाने के साथ ही कीट पतंगों से त्वचा की रक्षा करता है। इससे महिलाओं के चेहरे पर निखार आता है जिससे इनका रंग हल्का दिखाई देता है। हिंबा जनजाति महिलाएं जड़ी बूटियों का धुआं अपने शरीर में लगाती हैं। यहां के लोग मेहमानों की आवभगत के लिए अपनी बीवी के साथ सेक्स करने की छूट देते हैं।इस दौरान घर का पुरुष या तो दूसरे कमरे में सोता है या फिर घर के बाहर। हिंबा जनजाति में पुरुषों और महिलाओं को अन्य लोगों के साथ एक से अधिक संबंध बनाने की आजादी है।

सबसे सुंदर होती हैं महिलाएं

हिंबा जनजाति की महिलाएं अफ्रीका में सबसे सुंदर मानी जाती हैं।नामीबिया में हिंबा जनजाति के लोगों की संख्या करीब 50 हजार है।इनके बारे में दुनिया में काफी कुछ पढ़ा जाता है और कई रिसर्च चल रही है।

बीजेपी नौटंकीबाज पार्टी : उद्धव

ऐसी पार्टी हिंदुस्तान में दूसरी कोई भी नहीं होगी

» सामना में सियासी तंज- भाजपा का मुस्लिम प्रेम पूतना मौसी वाला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। उद्धव ठाकरे की शिवसेना के मुखपत्र सामना के संपादकीय में बीजेपी को 'नवकव्वाल' बताते हुए निशाना साधा गया है। इस नाम के टाइटल के सहारे दुनिया के सबसे बड़े राजनैतिक दल बीजेपी के सूफियाना अंदाज पर तंज कसा गया है। संपादकीय में बीजेपी को ढोंगी, नौटंकीबाज और स्वार्थी का सर्टिफिकेट दिया गया है। इसके अलावा मुसलमानों के साथ बीजेपी के व्यवहार की भी आलोचना की गई है।

इसमें लिखा गया कि बीजेपी का मुस्लिम प्रेम असली न होकर पूतना मौसी वाला ही है। सामना संपादकीय में लिखा गया है कि बीजेपी जैसी ढोंगी और नौटंकीबाज पार्टी हिंदुस्थान में दूसरी कोई भी नहीं होगी। राजनीतिक स्वार्थ के लिए ये लोग कब, क्या ढोंग रचाएंगे, इसका भरोसा नहीं है. एक तरफ हिंदुत्व के नाम पर मुस्लिम समुदाय पर हमले करवाते हैं तो चुनाव आते ही उन्हीं मुसलमानों को चूम कर सेकुलरवाद का बुर्का पहन लेते हैं. अभी भी कहा जा रहा है कि बीजेपी लोग मुस्लिम मतदाताओं से 'सूफी संवाद' स्थापित करेंगे।

मुस्लिम वोटों के लिए कुछ भी करेंगे भाजपाई

बीजेपी के मुस्लिम नेता, केंद्रीय मंत्री, राज्य मंत्री विभिन्न दरगाहों पर जाएंगे और वहां कव्वाली सुनेंगे। पूरे देश में यह मुहिम चलाई जाएगा। ऐसे में बीजेपी के अल्पसंख्यक विभाग की ओर से 'सूफी संवाद महाअधिवेशन' के आयोजन की तैयारी चल रही है। साथ ही बताया कि सूफी दरगाहों पर जाने वाले मुसलमानों को कव्वाली के जरिए ऐसा कहा जाएगा कि मुसलमानों के संदर्भ में बीजेपी के मन में किसी तरह का द्वेष नहीं है। बीजेपी का यह मुस्लिम प्रेम असली न होकर पूतना मौसी वाला ही है। ऐसी आत्मीयता मुस्लिम समाज के प्रति नहीं, बल्कि मुस्लिम वोटों के लिए है।

ध्रुवीकरण बीजेपी का वास्तविक चेहरा है

हाल ही में संपन्न हुए रामनवमी और हनुमान जयंती के दिन देश के विभिन्न भागों में हुए दंगे इसी योजना का एक हिस्सा थे। हिंदू-मुस्लिम ध्रुवीकरण की राजनीति करने वाली बीजेपी का ये परंपरागत तंत्र है। चुनाव के मौके पर होने वाले हिंदू-मुस्लिम दंगे और बाद में होने वाले मतों के ध्रुवीकरण पर सेंकी गई सत्ता की रोटी बीजेपी का 'वास्तविक चेहरा' है।

लोकसभा चुनाव जीतने के लिए कुछ भी कर सकती है भाजपा

2024 के लोकसभा चुनाव में अब केवल एक साल ही रह गया है, जिसकी वजह से बीजेपी को मुस्लिम प्रेम की हिचकी आने लगी है। यह हिचकी एक साल तक जारी रहेगी और चुनाव खत्म होते ही रुक जाएगी। एक तरफ हिंदू-मुस्लिम विवाद भड़काकर दंगे कराना और उस पर खुद की राजनीतिक रोटी सेंकना, यही इस टोली का 'हिंदुत्ववाद' है। साथ ही कहा कि अब तो इस विवाद में तथाकथित 'कथावाचकों' के भड़काऊ भाषण का तेल डालने और धार्मिक दंगों को जोरदार ढंग से भड़काने की योजना अमल में लाई जा रही है।

सलमान खान को हाईकोर्ट से राहत

» पत्रकार से मारपीट केस को किया खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट से सलमान खान को बड़ी राहत मिली है। एक्टर के खिलाफ 2019 के एक मामले को हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया है और उन्हें सभी आरोपों से भी बरी कर दिया है।

किसी का भाई किसी की जान एक्टर के खिलाफ दर्ज क्रिमिनकल केस को रद्द करने के आदेश के साथ कोर्ट ने ये भी कहा कि ज्यूडिशियल प्रोसेस को केवल इसलिए अनावश्यक उत्पीड़न का जरिया नहीं होना चाहिए कि आरोपी एक सेलिब्रिटी है। सलमान खान के खिलाफ साल 2019 में एक पत्रकार अशोक पांडे ने डराने और धमकाने की शिकायत के साथ केस दर्ज कराया था। जस्टिस भारती डांगरे ने 30 मार्च को सलमान खान और उनके बॉडीगार्ड नवाज शेख द्वारा दायर एप्लीकेशन को मंजूर कर लिया था और लोअर कोर्ट द्वारा उन्हें जारी की गई सम्मन को रद्द कर दिया।

बिना सलाह-मशवरा के उद्धव ने दिया था इस्तीफा : शरद पवार

» कहा-उनके मुख्यमंत्री बनने में कांग्रेस और एनसीपी के विधायकों का भी योगदान था

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने खुलासा कि जब उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया था, तो सहयोगी दलों एनसीपी और कांग्रेस से कोई सलाह-मशविरा नहीं किया था। उन्होंने आगे कहा कि उद्धव केवल अपनी पार्टी की वजह से मुख्यमंत्री नहीं बने थे। उनके मुख्यमंत्री बनने में कांग्रेस और एनसीपी के विधायकों का योगदान था, लेकिन उन्होंने किसी से सलाह-मशविरा नहीं करते हुए मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया।

एनसीपी प्रमुख के इस बयान के बाद राज्य की सियासत में फिर अटकलों का बाजार गर्म हो गया है। महाविकास अघाड़ी को लेकर भी तरह-तरह की चर्चाएं चल रही हैं। इस बात की भी चर्चा है कि एनसीपी कहीं एमवीए से किनारा करने के मूड में तो नहीं है। यह भी कहा जा रहा है कि आगामी विधानसभा चुनाव में पवार एनसीपी को ज्यादा से ज्यादा सीटें दिलाने के लिए प्रेशर पॉलिटिक्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसकी बड़ी वजह यह है कि उद्धव गुट फिलहाल कमजोर हालत में है। बहरहाल मंगलवार की देर शाम उद्धव ठाकरे शरद पवार के घर सिल्वर ओक पहुंचे।

पहली लिस्ट जारी होते ही भाजपा में बगावत

» एक ने दिया इस्तीफा, दूसरा बोला- दिल्ली जाऊंगा

» 189 उम्मीदवारों की है पहली सूची

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बंगलूरू। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा की पहली सूची जारी होने के बाद विरोध-प्रदर्शनों का दौर शुरू हो गया है। सूची में कुछ भाजपा विधायकों के नाम नहीं होने के बाद उनके समर्थकों ने विरोध-प्रदर्शन शुरू कर दिया है। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने मंगलवार को अपने 189 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की थी।

आगामी चुनावों के लिए भाजपा उम्मीदवारों की पहली सूची पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री और भाजपा नेता बासवराज बोम्मई ने कहा कि नामों को लेकर आम सहमति है और इससे हर कोई खुश है। बता दें कि कर्नाटक राज्य विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया 13 अप्रैल से शुरू होगी। विस चुनाव के लिए 10 मई को वोट डाले जाएंगे और 13 मई को मतगणना होगी।

जगदीश शेट्टार दिल्ली में नेताओं से मिलेंगे

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और छह बार के विधायक जगदीश शेट्टार ने कहा कि मैं पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मिलने आज दिल्ली जाऊंगा। मुझे उम्मीद है कि सकारात्मक चीजें होंगी। आने वाले दिनों में पार्टी आलाकमान और राज्य के नेता सब कुछ स्पष्ट करेंगे। जगदीश शेट्टार का नाम आगामी विधानसभा चुनावों के लिए भाजपा के उम्मीदवारों की पहली सूची में नहीं है।

लक्ष्मण सावदी ने दिया इस्तीफा

कर्नाटक के पूर्व उप मुख्यमंत्री लक्ष्मण सावदी ने अथानी निर्वाचन क्षेत्र से टिकट कटने के बाद विधान परिषद सदस्य और भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा कि मैंने अपना फैसला कर लिया है। मैं भीख का कटोरा लेकर पूछने वालों में से नहीं हूं। मैं एक स्वाभिमानी राजनेता हूं। मैं किसी के बहकावे में आकर काम नहीं कर रहा हूं। कोरटागेरे निर्वाचन क्षेत्र से पूर्व बीबीएमपी आयुक्त अनिल कुमार को भाजपा का टिकट दिए जाने पर कांग्रेस नेता और कर्नाटक के पूर्व उप मुख्यमंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने कहा कि अनिल कुमार एक आईएएस अधिकारी थे, और हमने साथ काम किया है। अब वह भाजपा प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ेंगे। यह बहुत अच्छा है कि उन्होंने उन्हें टिकट दिया है।

मुंबई ने चखा जीत का स्वाद, दिल्ली फिर चूकी

» कैपिटल्स की सीजन में चौथी शिकस्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आईपीएल के 16वें सीजन के 16वें मैच में मुंबई इंडियंस ने दिल्ली कैपिटल्स को हरा दिया। मंगलवार को कैपिटल्स के होमग्राउंड अरुण जेटली स्टेडियम में मिली इस जीत से मुंबई का अंक तालिका में खाता खुल गया है। आखिरी गेंद तक चले मैच को उसने छह विकेट से अपने नाम किया। मुंबई के खिलाफ मिली हार दिल्ली की सीजन में चौथी शिकस्त है। अभी तक चार मैचों में उसे एक भी जीत नहीं मिली।

लखनऊ सुपर जाएंट्स चार मैच में तीन जीत और एक हार के बाद छह अंकों के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर है। राजस्थान रॉयल्स की टीम तीन मैचों में दो जीत और एक हार के बाद चार अंकों के साथ दूसरे पायदान पर है। कोलकाता नाइटराइडर्स और गुजरात टाइटंस के चार अंक हैं। दोनों क्रमशः तीसरे और चौथे स्थान पर है। महेंद्र सिंह धोनी की टीम चेन्नई सुपरकिंग्स के भी चार अंक हैं और वह पांचवें नंबर पर काबिज है।

दूसरे नंबर पर पहुंचे वॉर्नर

पंजाब किंग्स के कप्तान शिखर धवन ऑरेंज कैप के मामले में शीर्ष पर हैं। उनके तीन मैचों में की तीन पारियों में 225 रन है। धवन का औसत भी 225 का है। उन्होंने 149.00 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए। तीन मुकाबले में उनके दो अर्धशतक हैं। मुंबई इंडियंस के खिलाफ 47 गेंद पर 51 रन की पारी खेलने वाले डेविड वॉर्नर दूसरे पायदान पर पहुंच गए हैं। उनके चार मैचों में 209 रन हैं। वॉर्नर का औसत 52.25 और स्ट्राइक रेट 114.83 का है। ऑरेंज कैप की रेस में तीसरे स्थान पर चेन्नई सुपरकिंग्स के ऋतुराज गायकवाड़ हैं। ऋतुराज ने तीन मैचों में 94.50 की औसत से 189 रन बनाए हैं।

गेंदबाजों में मार्क वुड शीर्ष पर

दिल्ली-मुंबई के बीच मैच के बाद गेंदबाजों की लिस्ट में टॉप-5 में कोई बदलाव नहीं हुआ है। लखनऊ सुपर जाएंट्स के मार्क वुड अभी भी शीर्ष पर हैं। वह तीन मैचों में नौ विकेट हासिल कर चुके हैं। राजस्थान रॉयल्स के युजवेंद्र चहल दूसरे नंबर पर हैं। उनके तीन मुकाबलों में आठ विकेट हैं। गुजरात टाइटंस के राशिद खान आठ विकेट के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

Contact for
Grills, Railing, Gate, Tin Shade,
Stairs and other fabrication

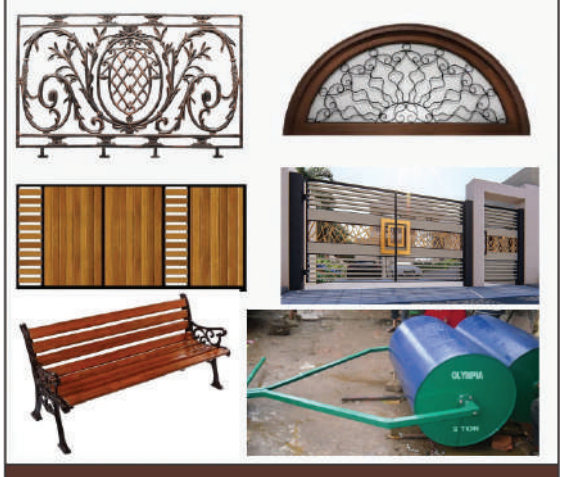

V K FABRICATOR
5/603 Vikas Khand, Gomti Nagar Lucknow -226010
Mob : 9918721708

अतीक के ठिकानों पर ईडी का छापा

उमेशपाल हत्याकांड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। बाहुबली माफिया अतीक अहमद से एक तरफ उमेश पाल हत्याकांड में पूछताछ के लिए यूपी पुलिस प्रयागराज ला रही है। वहीं, दूसरी ओर अतीक अहमद के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई हो रही है। उत्तरप्रदेश के कई जगह पर ये ईडी की छापेमारी हो रही है। ईडी का ये सर्च ऑपरेशन करीब 13 लोकेशन पर चल रहा है। ईडी टीम ने प्रयागराज में अतीक के एकाउंटेंट सीताराम शुक्ला, सजायाफ्ता कैदी खान शौलत के घर पर छापेमारी की है।

2021 में, ईडी ने अहमद और उनकी पत्नी के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत 8 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति कुर्क की थी। उस समय भी इसने कुछ तलाशी ली थी। एजेंसी ने कहा था कि उसकी जांच में पाया गया कि अहमद, आपराधिक गतिविधियों के माध्यम से, पैसा कमाता था और इसे उसके और उसके रिश्तेदार के बैंक खातों में जमा/रखा जाता था।

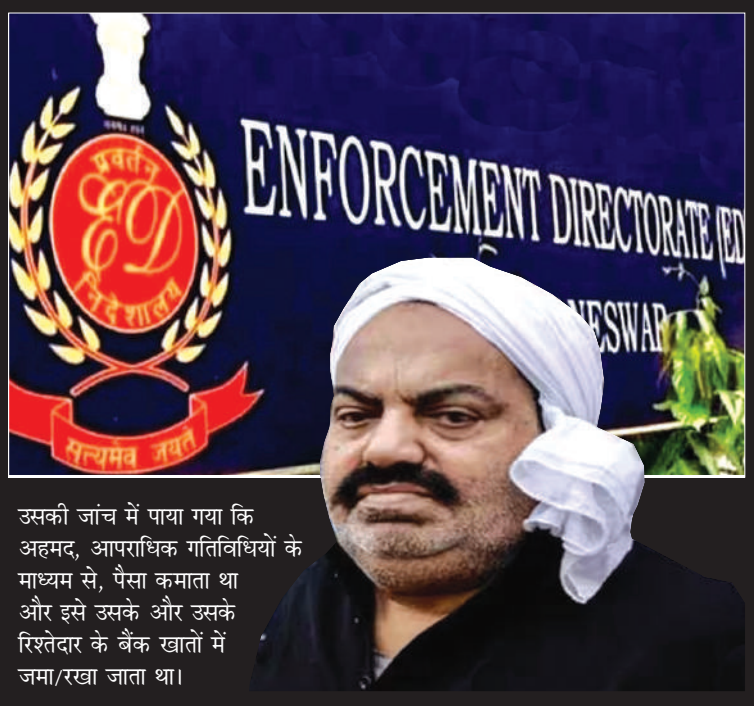

प्रयागराज की जेल में रहेंगे अतीक-अशरफ

प्रयागराज। अतीक अहमद को उमेश पाल हत्याकांड के सिलसिले में एक स्थानीय अदालत में पेशी के लिए गुजरात की साबरमती जेल से प्रयागराज लाया जा रहा है। उसे उत्तर प्रदेश पुलिस की एक टीम सड़क मार्ग से लेकर आ रही है। उमेश पाल और उनके दो पुलिस सुरक्षा गार्डों की इस साल 24 फरवरी को प्रयागराज के धूमनगंज इलाके में उनके घर के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उमेश पाल की पत्नी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर, 25 फरवरी को अतीक अहमद, उनके भाई अशरफ, पत्नी शाइस्ता परवीन, दो बेटों, गुड्डू मुस्लिम और गुलाम और नौ अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। उत्तर प्रदेश पुलिस 26 मार्च को अतीक अहमद को अदालत में पेश करने के लिए साबरमती जेल से प्रयागराज ले गई थी।

मैंने जेल से कोई साजिश नहीं रची : अहमद

अतीक अहमद को आज (बुधवार) शिवपुरी जिले के सुरवाया थाने में रोका गया। इसके बाद पुलिस का काफिला शिवपुरी से झांसी के लिए रवाना हो गया है। अतीक अहमद ने मीडिया से कहा, आपकी वजह से मैं सुरक्षित हूं। मैंने वहां से कोई फोन नहीं किया, वहां पर जैमर लगे हुए हैं। मैंने जेल से कोई साजिश नहीं रची। छह साल से मैं जेल में हूं। मेरा पूरा परिवार बर्बाद हो चुका है।

रखें एहतियात, बढ़े कोरोना के मामले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। पिछले 24 घंटे में कोरोना के 7, 830 नए केस सामने आए। देश में सक्रिय मामलों की कुल संख्या 40,215 है। पिछले 24 घंटे में कोरोना से 4,692 लोग ठीक हुए। वहीं कोरोना से ठीक होने वालों की कुल संख्या 4,42,04,771 है। रिकवरी रेट की बात करें तो वह 98.72 प्रतिशत है। डेली पोजिटिविटी रेट 3.65 प्रतिशत है और वीकली पोजिटिविटी रेट 3.83 प्रतिशत है।

अब तक देशभर में वैक्सीन की टोटल 220.66 करोड़ खुराकें दी जा चुकी हैं। बता दें कि महाराष्ट्र में भी कोरोना के आंकड़ों में बड़ा उछाल आया है। मंगलवार को महाराष्ट्र में 24 घंटे में 919 नए केस मिले हैं जबकि 1 मरीज की मौत हुई है। एक्टिव मामलों की कुल संख्या 4 हजार 875 हो गई है। मुंबई में 24 घंटे में 242 नए केस सामने आए। फिलहाल मुंबई में कोरोना के 110 मरीज अस्पताल में भर्ती हैं। एक्टिव मामलों की कुल संख्या 1 हजार 478 हो गई है। मुंबई की पॉजिटिविटी रेट 13.48 प्रतिशत है।

जा सकती है मप्र के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा की विधायकी

» पेड न्यूज मामले में सुप्रीम कोर्ट का फैसला आज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल/नई दिल्ली। मध्यप्रदेश के गृहमंत्री और भाजपा के बड़े नेता नरोत्तम मिश्रा के खिलाफ पेड न्यूज के आरोपों पर सुप्रीम कोर्ट फैसला सुना सकता है। 2017 में चुनाव आयोग ने मिश्रा को पेड न्यूज का दोषी माना था। साथ ही तीन साल तक चुनाव लड़ने पर पाबंदी लगाई थी। दिल्ली हाईकोर्ट में हारने के बाद मिश्रा ने इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है।

दतिया विधानसभा सीट से विधायक नरोत्तम मिश्रा के खिलाफ कांग्रेस नेता राजेंद्र भारती ने शिकायत दर्ज कराई थी। मामला 2008 के विधानसभा चुनावों से जुड़ा है। 46 खबरों को पेड न्यूज माना गया था। इस शिकायत को सही मानते हुए 2017 में चुनाव आयोग ने आदेश जारी कर कहा था कि मिश्रा तीन साल चुनाव नहीं लड़ सकेंगे। हालांकि, मिश्रा ने इसे मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में चुनौती दी। मामला राजनीतिक था और दबाव बन सकता था, इस वजह से सुप्रीम कोर्ट ने मामला दिल्ली हाईकोर्ट ट्रांसफर कर दिया था। वहां से फैसला मिश्रा के पक्ष में नहीं आया। तब उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की। राजेंद्र भारती की ओर से कपिल सिब्बल, पी. चिदंबरम और विवेक तन्खा जैसे वरिष्ठ वकील पैरवी कर रहे हैं।

साहिब श्री गुरु अरजन देव महाराज के प्रकाश पर्व पर निकाला गया नगर कीर्तन, इसमें दलों ने कई रोमांचकारी प्रदर्शन भी किए

फोटो:4 पीएम

पटना एयरपोर्ट व दिल्ली के स्कूल में बम की सूचना से हड़कंप

» पुलिस ने मामले की शुरू की जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में पटना एयरपोर्ट पर बम मिलने की सूचना मिली है। इससे वहां हड़कंप मच गया। सूचना के बाद बम निरोधक दस्ता जांच में जुट गया है। लेकिन फिलहाल कुछ मिला नहीं है। फ्लाइट्स अपने निर्धारित समय से आवागमन कर रही हैं। वहीं दिल्ली के डिफेंस कॉलोनी इलाके में स्थित एक स्कूल को आज ईमेल के जरिए कैंपस में बम होने की सूचना मिली।

सूचना से पूरे स्कूल में हड़कंप मच गया और आनन-फानन स्कूल को खाली करा लिया गया है। जानकारी के अनुसार बीआरटी रोड पर स्थित इंडियन स्कूल को आज सुबह 10.49 बजे एक मेल मिला। उसके सबजेक्ट में बम की धमकी की बात लिखी थी। लिखा था कि स्कूल में बम प्लांट किया गया है।

मोदी ने गहलोत को बताया मित्र

» दिल्ली-अजमेर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को दिखाई हरी झंडी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने दिल्ली-अजमेर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाते समय राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का जिक्र किया। पीएम मोदी ने कहा जो काम आजादी के तुरंत बाद होने चाहिए थे आज हम वो काम करने का काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, आपका मेरे ऊपर इतना भरोसा है कि आपने कई काम मेरे सामने रखे हैं आपका यही विश्वास, यही मेरी मित्रता की ताकत है और एक मित्र के नाते आप जो भरोसा रखते हैं। इसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं। गहलोत पीएम मोदी और अन्य कैबिनेट मंत्रियों के साथ इस कार्यक्रम में मौजूद थे, ठीक उसी समय सचिन पायलट आगे की रणनीतियों की चर्चा के लिए कांग्रेस आलाकमान से मिलने के लिए राजस्थान से दिल्ली आए हुए हैं। सचिन पायलट राजस्थान के सीएम पद के दावेदार माने जाते हैं तो वहीं अशोक गहलोत कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता, केंद्रीय मंत्री और दो बार के राजस्थान के सीएम रह चुके हैं।

आपके दो-दो हाथ में लड्डू है : पीएम

पीएम ने कहा, मैं गहलोत जी का विशेष तौर पर आभार व्यक्त करता हूं कि इन दिनों वह राजनीतिक आपाधापी में, अनेक संकटों से वह गुजर रहे हैं। इसके बावजूद विकास के काम के लिए समय निकाल कर आए। रेलवे कार्यक्रम में हिस्सा लिया। मैं उनका स्वागत भी करता हूं, अभिनंदन भी करता हूं। गहलोत जी को कहना चाहता हूं कि आपके दोनों हाथ में लड्डू है। आपके रेल मंत्री राजस्थान के हैं। रेलवे बोर्ड के चेयरमैन राजस्थान के हैं। आपके तो दो-दो हाथ में लड्डू हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।